राष्ट्रीय मेरिट कम मींस छात्रवृति के आधार पर ज़िलों एवं विकासखंड की रैंकिंग तय

चर्चा में क्यों?

10 फरवरी, 2023 को राष्ट्रीय मेरिट कम मींस छात्रवृति परीक्षा में सफलता के आधार पर राज्य शिक्षा केंद्र ने प्रदेश के ज़िलों और विकासखंडों की रैंकिंग निर्धारित की है।

प्रमुख बिंदु

- इस परीक्षा के आधार पर घोषित रैंकिंग में दमोह ज़िला प्रथम स्थान पर रहा जबकि निवाड़ी ज़िला सबसे निचले पायदान पर रहा है।
- ज़िलों के साथ ही विकासखंडों के प्रदर्शन को भी राज्य स्तर से परखा गया है। जिसके अनुसार प्रदेश में सर्वाधिक उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रीवा ज़िला मुख्यालय का 'रीवा'विकासखंड प्रथम स्थान पर और डिंडौरी ज़िले का 'बजाग'विकासखंड अंतिम स्थान पर है।
- उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृति परीक्षा में शासकीय विद्यालयों के कक्षा 8 में अध्ययनरत विद्यार्थी सम्मिलित होते हैं और इस परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को उनकी आगे की पढ़ाई के लिये कक्षा 9 से 12वीं तक प्रतिवर्ष 12 हज़ार रुपए छात्रवृत्ति प्राप्त होती है।
- सत्र 2022-23 की यह परीक्षा 6 नवंबर 2022 को संपन्न हुई थी, जिसमें इस बार मध्य प्रदेश के रिकार्ड 2 लाख 52 विद्यार्थियों के द्वारा सहभागिता की गई थी।
- इस परीक्षा के परिणाम का राज्य शिक्षा केंद्र ने विस्तृत विश्लेषण कर ज़िलों और विकासखंडों की रैंकिंग निर्धारित की है, जिसमें 4 मुख्य मापदंड के आधार पर ज़िलों के आँकडों का विश्लेषण किया गया है।
- कुल नामांकित विद्यार्थियों के अनुपात में परीक्षा में सम्मिलित विद्यार्थियों की संख्या, परीक्षाफल का औसत स्कोर, परीक्षा फल का उत्कृष्ट स्कोर और राज्य की मेरिट सूची में प्रथम 100 में आए विद्यार्थियों की संख्या को मापदंड के रूप में रखा गया था।
- यह विश्लेषण गुणवत्ता शिक्षा के प्रयासों की एक कड़ी है, जिसके माध्यम से राज्य शिक्षा केंद्र शिक्षा की गुणवत्ता का मैदानी स्तर पता कर सकते हैं और जहाँ कुछ कमी है वहाँ आवश्यक सुधारात्मक पहल की जा सकती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/the-ranking-of-districts-and-blocks-is-decided-based-on-national-merit-cum-means-scholarship